भारतीय स्टेट बैंक की चांदनी चौक शाखा का कम्प्युटरी करण

*475. श्री राजनाथ सिंह: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय स्टेट बैंक की चांदनी चौक की शाखा और दरीबा कलां स्थित उसके विस्तार पटल में ग्राहकों को उनके द्वारा किए गए लेन देन का मासिक विवरण नहीं दिया जाता है, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और

(ख) क्या यह भी सच है कि इन शाखाओं का अभी तक कम्प्युटरीकरण नहीं किया गया है, यदि हां तो इसके क्या कारण है और सरकार इन शाखाओं के कम्प्युटरी करण के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है तथा इन शाखाओं का कब तक कम्प्युटरीकरण किए जाने की संभावना है और

(म) क्या सरकार ग्राहकों को लेन देन का मासिक विवरण दिलाने कि लिए और यह सुनुश्चित करने के लिए बैंक अधिकारियों को उचित निदेश जारी करने का विचार रखती है कि इन शाखाओं में कर्मचारियों द्वारा उनके साथ उचित ढंग से व्यवहार किया जाए?

वित्त मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम): (क) भारतीय स्टेट बैंक (एस. बी. आई.) ने सूचित किया है कि बैंक द्वारा निर्धारित अनदेशों के अनुसार किसी शाखा के ग्राहकों के खातों के मासिक विवरण अधिकतम आगामी माह के प्रथम सप्ताह तक भेजी/शाखा द्वारा दी जानी होती है। बडी संख्या में खातों के रखरखाव और सहायक कार्यलयों (बैंक आफिस) के सीगित संख्या में कम्प्युतरी करण के कारण चांदनी चौक शाखा में पास बुकों को अद्यतन करने और लेख विवरणों को समेकित करने का जो कार्य आज कल हाथ में किया जा रहा है उसमें काफी समय लगता है। एस बी आई ने आगे यह बतलाया है कि दरीबा कलां में उनकी चांदनी चौक शाखा का कोई विस्तार पटल है ही नहीं।

(ख) एस बी आई ने चांदनी चौक शाखा की पहचान सम्पूर्ण कम्प्युटरी करण के लिए की है और 1997-98 के दौरान अब इसके कम्प्युटरीकरण का कार्य हाथ में किया गया है।

(ग) एस बी आई में सुचित किया है कि उन्होंने शाखा को अनुदेश दिए हैं कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि एसबुकों को आद्यतन करने और लेखा विवरणों का रुमेकन करने में विलम्ब न हो। बैंक यह आशा करता है कि एक कर शाखा का पूरा कम्प्युटरी करण हो जाने के बाद लेखा विवरण उपलब्ध कराने में बिलंम को किसी शिकायत की गुंजाइश नहीं होगी।

Problem of fiscal deficit

*476. SHRI p.P. KO^LI: Wjl *he* Minislcr of FINANCE be pleased to refer to answer to Unstarred Question 1710 given in the Rajya Sabha on the 11 ih March, 1997 and state:

(a) whether Government arc faced with the serious problem of containing the fiscal deficit; and

(b) whether it is proposed to bring the largest possible number of people within the income tax payers network to solve this problem?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) The fiscal deficit in 1997-98 (BE) has been kept at Rs. 65454 crorc which is 4.5% of the GDP. Government would endeavour to contain the fiscal deficit by controlling expenditure and increasing non-debt receipts.

(b) Yes Sir. The Finance Bill 1997 has proposed certain measures to widen the tax base.

Pathetic Condition of Labour Courts and Tribunals In Delhi

*477. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI GAYA SINGH:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether the condition of ten Labour Courts and three Tribunals in Delhi is pathetic, with more than 20,000 cases still pending in these courts;

(b) whether the posts of Presiding Officers in most of these courts and tribunals arc not being filjcd up due *o* nonavailability of judges;

(c) whether the unsatifactory service conditions and facilities in these courts have been the main reasons for not attracting competent, judicial officers to these courts; and